जयपुर (राजस्थान) से प्रकाशित एवं दिल्ली, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, गुजरात, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, बिहार, हिमाचल प्रदेश और झारखण्ड राज्यों में प्रसारित

(DAVP-CODE No. 120390) भारत सरकार का रजि. नं. 10311/1965

साप्ताहिक

हमारा वतन

देश का अपना अखबार

ہمارا وطن ہفت روزہ

संस्थापित 1965

संस्थापक स्व. श्री राजेन्द्र कुमार 'अजेय' स्वतंत्रता सेनानी

संरक्षक बाबू लाल सैनी

सम्पादक राम गोपाल सैनी

www.hamarawatan.com FOLLOW US:- Hamarawatan | Hamarawatan65 | Hamarawatan3 | YouTube Hamarawatan

वर्ष- 58 | अंक-18 | जयपुर, सोमवार, 2 मई, 2022 | वार्षिक शुल्क 200 रुपये (एक प्रति 4 रु.) | पृष्ठ संख्या 4

डिमांड के अनुसार बिजली देना असंभव : मुख्यमंत्री

कहा- यह राष्ट्रीय संकट, केंद्र राज्यों को कोयला सप्लाई करने में फेल

जयपुर (हमारा वतन)। राजस्थान में बिजली कटौती को लेकर सियासत शुरू हो गई है। वहीं मुख्यमंत्री ने भी डिमांड के बराबर बिजली सप्लाई करने से हाथ खड़े कर दिए हैं। उन्होंने आज बीजेपी के सभी ग्रिड सब स्टेशनों पर बिजली कटौती के विरोध में प्रदर्शनों के बीच केंद्र और भाजपा नेताओं को निशाने पर लिया है। गहलोत ने केंद्र सरकार पर मांग के हिसाब से राज्यों को कोयला सप्लाई नहीं करने को बिजली संकट का कारण बताया है। गहलोत ने चार ट्वीट करके बिजली संकट पर लोगों से जरूरत के हिसाब से ही बिजली काम में लेने की अपील भी की है। गहलोत ने लिखा- राजस्थान में प्रदेश भाजपा बिजली घरों पर प्रदर्शन कर इस संकट में चुनौतीपूर्ण काम कर रहे बिजली कर्मचारियों को परेशान कर उन पर दबाव बनाने का काम कर रही है। मैं उनसे पूछना चाहूंगा कि राज्यों को कोयला उपलब्ध करवाने का काम केंद्र सरकार का है। क्या प्रदेश भाजपा का दिशाहीन नेतृत्व केंद्र सरकार से इस बारे में सवाल पूछेगा कि वो मांग के अनुसार कोयला उपलब्ध करवाने में सक्षम क्यों नहीं हैं, जिसके कारण 16 राज्यों में बिजली कटौती की नौबत आई है?

कोयले की सप्लाई नहीं, यह राष्ट्रीय संकट

गहलोत ने लिखा- देश के 16 राज्यों में बढ़ती गर्मी के कारण बिजली की मांग बढ़ी है, इसके अनुरूप कोयले की आपूर्ति नहीं हो रही है, जिसके कारण आवश्यकतानुसार बिजली आपूर्ति संभव नहीं है। यह एक राष्ट्रीय संकट है। इस संकट में एकजुट होकर परिस्थितियों को बेहतर करने में सरकार का साथ दें। अपने निवास या कार्यक्षेत्र के गैर-जरूरी बिजली उपकरणों को बंद रखें। अपनी प्राथमिकताएं तय कर बिजली का उपयोग जरूरत के मुताबिक करें।

कोयला संकट के कारण प्रदेश के कई पावर प्लांट बंद हैं। बिजली की डिमांड और सप्लाई में भारी अंतर होने के कारण गांव और शहरों में लगातार कटौती जारी है। कमी के कारण राजधानी सहित सभी संभाग मुख्यालयों पर एक घंटे, जिलों में दो घंटे, कस्बों में तीन घंटे और ग्रामीण क्षेत्रों में 6 घंटे तक की बिजली कटौती की जा रही है। बिजली कटौती के विरोध में बीजेपी गहलोत सरकार पर हमलावर है। इस बीच अब गहलोत ने कोयला संकट के लिए केंद्र को जिम्मेदार ठहराकर सियासी बहस छेड़ दी है। बिजली कटौती के मुद्दे पर अब कांग्रेस-बीजेपी के बीच जुबानी जंग शुरू हो चुकी है।

अंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवस पर उमंग के प्रांगण में कला मंज़र की हुई नृत्याभिव्यक्ति

जयपुर (हमारा वतन)। अंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवस के उपलक्ष्य में कला मंज़र संस्था द्वारा उमंग स्कूल में विशेष योग्य बच्चों के साथ नृत्य - तरंग कार्यक्रम आयोजित किया गया । इसमें सामान्य श्रेणी के प्रतिभाशाली बच्चों के साथ - साथ विपरीत परिस्थितियों में जीवन यापन करने वाले प्रतिभाशाली बच्चों व लोक कलाकारों ने भी विशेषयोग्य बच्चों के साथ मंच साझा किया । इसका मुख्य उद्देश्य विशेष योग्य बच्चों को आम धारा से जोड़ना है। कार्यक्रम में वरिष्ठ IAS अधिकारी नवीन जैन मुख्य अतिथि, अध्यक्षता वरिष्ठ अभिनेत्री और नृत्य गुरु उषा श्री, वरिष्ठ कथक गुरु प्रेरणा श्रीमाली ने विशिष्ट अतिथि के रूप में आयोजन की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई। पूनम माथुर ने सरस्वती वंदना गाई ,उसके बाद विशेषयोग्य बच्चों ने दिल को छू लेने वाला नृत्य प्रस्तुत किया साथ ही अन्य बच्चों ने भी राजस्थानी लोकगीतों पर बहुत ही सुंदर नृत्य प्रस्तुतियां दीं। बच्चों का मनोबल बढ़ाने हेतु वरिष्ठ कथक गुरु डॉ गीता रघुवीर व अंतरराष्ट्रीय कालबेलिया नृत्यांगना चिरमी सपेरा ने भी

विशेष नृत्य प्रस्तुत किया। संस्था अध्यक्ष शोभा सक्सेना ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए संस्था के उद्देश्यों के बारे में जानकारी दी । फाउंडर मीनाक्षी माथुर ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए संस्था के भावी कार्यक्रमों की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन आर जे रविंन ने किया। स्कूल की डायरेक्टर दीपक कालरा व समाजसेवी अरुण शर्मा , वरिष्ठ रंगकर्मी रुचि भार्गवा , समाजसेविका पूजा उपाध्याय ,वरिष्ठ रंगकर्मी सरस्वती उपाध्याय सहित अनेक गणमान्यजन भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

जल जीवन मिशन के तहत राजस्थान को 90:10 के अनुपात में राशि उपलब्ध कराए केन्द्र : जोशी

जयपुर(नि.सं.)। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री डॉ. महेश जोशी ने कहा कि राजस्थान की भौगोलिक परिस्थितियां विषम हैं। यहां छितराई हुई बसावट है। प्रदेश का दो-तिहाई हिस्सा थार रेगिस्तान का भाग है और दक्षिण में पहाड़ी भाग है। ऐसे में राज्य की विषम भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए पहाड़ी व विशेष दर्जा प्राप्त राज्यों की तरह ही राजस्थान को जल जीवन मिशन में 90:10 के अनुपात मे फण्डिंग केन्द्र सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जाए।

देवेन्द्र खंडेलवाल को मिला मध्य प्रदेश रत्न पुरस्कार

मध्य प्रदेश (हमारा वतन)। जाने माने लघु-फिल्मों / वृत्तचित्रों के निर्देशक देवेन्द्र खंडेलवाल को मध्य प्रदेश रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार लघु-फिल्मों / वृत्तचित्रों की दुनिया को समृद्ध करने और राज्य का नाम रोशन के लिए योगदान के लिए मध्य प्रदेश के राज्यपाल द्वारा दिया गया ।

भविष्यवक्ता पंडित रविन्द्राचार्य का हुआ सम्मान

जयपुर (हमारा वतन)। तारा ज्योतिष साधना केंद्र के अध्यक्ष और अंतर्राष्टीय भविष्यवक्ता पंडित रविन्द्राचार्य का दुबई से पधारे सुनील शर्मा और भारती शर्मा ने शॉल ओढ़ाकर और सुगंधित इत्र भेंट किया ।इस दौरान मुंबई से एक्ट्रेस शुभी शर्मा , पुष्पा शर्मा, राहुल शर्मा, राजेश्वरी देवी, पंडित राहुल दाधीच आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे ।

क्या कोई जाता है?

क्या कोई जाता है?
धन, दौलत,शोहरत और मकान लेकर
आदमी चला जाता है बस!
जिंदगी भर का लगान देकर

जो बोया था वही काटा है
यही तो जिंदगी का तमाशा है
वजूद मिट जाता है एक पल में
चलते बनो एहसान कर कर
क्या कोई जाता है?
धन, दौलत,शोहरत और मकान लेकर

जिन्दगी कम है और काम बहुत
न दिन ज्यादा है न शाम बहुत
क्या करेगा कोई ताउम्र
खुशियों की बोगस दुकान लेकर
क्या कोई जाता है?
धन, दौलत,शोहरत और मकान लेकर

हश्र होना क्या है, ये जानता है आदमी
पर ये बात मरने तक
कहाँ मानता है आदमी
पूर्वजों को इल्म था के
सबका हश्र एक ही है
फिर चल बसे नदी किनारे मसान देकर
क्या कोई जाता है?
धन, दौलत,शोहरत और मकान लेकर

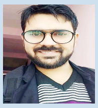

सिद्धार्थ
गोरखपुरी

यूईएम में दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का हुआ आयोजन

जयपुर (हमारा वतन)। कम्प्यूटेशनल एप्लाइड साइंसेज एंड इट्स एप्लीकेशन्स (आईसीसीएएस 2022) नाम से पहला अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 28 और 29 अप्रैल 2022 को युनिवर्सिटी ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, जयपुर में ऑनलाइन मोड के माध्यम से आयोजित किया गया। सम्मेलन में विभिन्न देशों के 150 से अधिक प्रतिभागियों ने पंजीकृत किया, जिसमें विभिन्न विश्वविद्यालयो, अनुसंधान संकायों और विभिन्न उद्योगों के शोधकर्ता शामिल हुए।

कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन प्रो डॉ सत्यजीत चक्रवर्ती (चांसलर, यूईएम जयपुर), प्रो डॉ सत्यजीत चक्रवर्ती (प्रो-वाइस चांसलर, यूईएम जयपुर), प्रोफेसर डॉ बिस्वजॉय चटर्जी (वाइस-चांसलर, यूईएम जयपुर), प्रोफेसर डॉ प्रदीप कुमार शर्मा (रजिस्ट्रार, यूईएम जयपुर) और प्रोफेसर डॉ

अनिरुद्ध मुखर्जी (डीन, यूईएम जयपुर) की अध्यक्षता में किया गया। उप निदेशक-परियोजना संदीप कुमार अग्रवाल ने बताया की दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पृष्ठभूमि के बारह मुख्य वक्ता द्वारा गणना और एप्लाइड साइंसेज के मुख्य क्षेत्रों पर अपने व्याख्यान दिये गये, जिनमे प्रोफेसर आई ज़ेलिंका (ओस्ट्रावा के तकनीकी विश्वविद्यालय), डॉ विजय कुमार व्यास (सूर विश्वविद्यालय, ओमान), प्रोफेसर लिलियाना गुरान (वासिले गोल्डिस वेस्टर्न यूनिवर्सिटी ऑफ अराड), डॉ डाविड डुडेक्की (लॉड्ज़ यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, पोलैंड), प्रोफेसर रामकृष्ण रामास्वामी (आईआईटी, दिल्ली), डॉ अवधेश प्रसाद (दिल्ली विश्वविद्यालय), डॉ प्राणजीत बर्मन (एनआईटी, सिलचर), प्रोफेसर रागिनी गुप्ता (एमएनआईटी, जयपुर), डॉ वेदवती जी पुराणिक (सीएसआईआर-नेशनल केमिकल लैब पुणे), प्रोफेसर डीएस हुड्डा (गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय, हिसार), प्रोफेसर रश्मि भारद्वाज (जी जीएसआई विश्वविद्यालय, नई दिल्ली), प्रोफेसर डी बंद्योपाध्याय (बिट्स पिलानी) रहे। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन मे भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित के विभिन्न क्षेत्रों और उनके अनुप्रयोगों के लगभग 95 शोध पत्र प्रस्तुत किये गये। आईसीसीएएस 2022 में सभी गतिविधियों की सारांशित रिपोर्ट कन्वीनर डॉ प्रफूल छाबड़ा और सुश्री पल्लवी मलिक द्वारा प्रस्तुत की गई। सम्मेलन में प्रस्तुत पूर्ण शोधपत्र एआईपी (अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिक्स) (वेब ऑफ साइंस, और स्कोपस, एल्सेवियर) कॉन्फ्रेंस प्रोसेडिंग में प्रकाशन के लिए भेजे जाएंगे।

ऋतिक सैनी का सेव सोइल कैंपेन के तहत साइकिल यात्रा पूरी करने पर हुआ सम्मान

जयपुर (हमारा वतन)। जयपुर शहर के रहने वाले 21 वर्षीय ऋतिक सैनी ने सेव सोइल कैंपेन के तहत 45 दिन में 3800 किलोमीटर कि एकल साइकिल यात्रा कर युवाओं को मोटिवेट किया। ऋतिक सैनी ने बताया कि उनकी यात्रा का उद्देश्य मिट्टी के संरक्षण के विषय में लोगों को जागरूक करना था। जानकारी के लिए आपको बता दें कि अपनी 45 दिन की यात्रा के दौरान ऋतिक केवल गुरुद्वारे और मंदिरों जैसी जगह पर ही रुके। लोगों के दिए खाने को ही भोजन के रूप में लिया। यह साइकिल यात्रा कन्याकुमारी से कश्मीर तक पूरी की। यात्रा पूरी कर जयपुर लौटने पर विद्याधर नगर स्थित महात्मा ज्योतिबा फुले राष्ट्रीय संस्थान में समाज बंधुओं द्वारा सम्मानित किया गया।

अवैध खनन, परिवहन और भण्डारण परसख्त कार्यवाही जारी रखने के निर्देश

जयपुर (नि.सं.)। अवैध खनन, भण्डारण और परिवहन के खिलाफ जयपुर वृत में सख्त कार्यवाही का सिलसिला जारी है। अप्रेल माह में अब तक जयपुर वृत में 253 प्रकरण दर्ज कर दो करोड़ 71 लाख से अधिक का जुर्माना राजकोष में वसूला जा चुका है।

एक्टर नरसिम्हा योगी ने ज़ी टीवी पर मचाई धूम

मुंबई / जयपुर (हमारा वतन)। राजस्थान राज्य की राजधानी जयपुर के चौमूं शहर के मोरीजा रोड, कृष्णा कॉलोनी निवासी और हाल मुंबई निवासी नरसिम्हा योगी ने ज़ी टीवी पर धूम मचा रखी है।

जी हां ज़ी टीवी पर सोमवार से शनिवार को शाम 7 बजे प्रसारित हो रहे मिठाई सीरियल में नरसिम्हा योगी ने भूरा के रोल में धूम मचा रखी है। इस सीरियल के अब तक 21 एपिसोड टेलीकास्ट हो चुके हैं। जिन्हें दर्शकों का भरपूर प्यार मिल रहा है। सीरियल को जी 5 एप पर भी देख सकते हैं। नरसिम्हा योगी ने हमारा वतन संवाददाता को बातचीत के दौरान बताया कि मिठाई सीरियल में मेरा भूरा नामक किरदार है, जो गांव के एमएलए का लड़का है और मिठाई से शादी करना उसका मकसद है। मिठाई के पिता ने भूरा के पिता से दुकान गिरवी रखकर पैसा उधार लिया था। मिठाई के पिता की मृत्यु हो जाती है तो भूरा मिठाई से कहता है कि या तो तुम मुझे पैसे दे दो या फिर मुझसे शादी करो। इसी उधेड़बुन के अंतर्गत सीरियल की कहानी रची गई है। नरसिम्हा योगी के पहले सीरियल में ही ग्रे किरदार निभाने को लेकर बात की तो कहा कि एक एक्टर के लिए कैरेक्टर मायने रखता है। मैं काम के लिए मना नहीं कर सकता चाहे नेगेटिव हो या पॉजिटिव। आज के युवाओं के लिए यही कहना चाहूंगा कि अगर फिल्म इंडस्ट्री मुंबई आ रहे हैं तो कमर कस कर आएं! करना है तो करना है! गौरतलब है कि नरसिम्हा योगी ने इससे पहले जयपुर में रहकर थिएटर वर्कशॉप जॉइन कर एक्टिंग की बारीकियां सीखी और फिर मुंबई की ओर रुख किया। वहां पर जाकर ब्रिटानिया टाइमपास ,डेरी मिल्क कृषफेलो आदि विज्ञापनों में काम किया। क्राइम पेट्रोल, सावधान इंडिया आदि सीरियल में भी काम कर चुके हैं। सीरियल में चौमूं के हीरो को देखकर विधायक रामलाल शर्मा,पूर्व विधायक भगवान सहाय सैनी,अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता पंडित रविन्द्राचार्य ,विराज फाउंडेशन के प्रदेशाध्यक्ष भुवनेश तिवाड़ी,राधे कृष्णा कंप्यूटर इंस्टिट्यूट के संचालक कौशल कुमार योगी सहित चौमूं निवासियों ने उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी है।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने रिकॉर्ड 1.15 लाख करोड़ रुपये का कारोबार किया

नई दिल्ली (हमारा वतन)। खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए 1.15 लाख करोड़ रुपये का रिकॉर्ड कारोबार किया है। जिससे यह देश की एकमात्र तेजी से चलने वाली उपभोक्ता वस्तु (FMCG) कंपनी बन गई है। जिसने 1 लाख करोड़ रुपये का कारोबार किया है। 2021-22 के लिए KVIC का टर्नओवर साल दर साल 20.54% बढ़कर 1,15,415.22 करोड़ रुपये हो गया, जो 2020-21 में 95,741.74 करोड़ रुपये था। राज्य के स्वामित्व वाली इकाई के आंकड़ों के अनुसार, खादी और ग्रामोद्योग

खादी भारत
Khadi India

क्षेत्रों में कुल उत्पादन में 2014-15 और वित्त वर्ष 22 के बीच 172% की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि इस अवधि के दौरान सकल बिक्री में 248% से अधिक की वृद्धि हुई।केवीआईसी के अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लगातार समर्थन और स्वदेशी जाने की अपील इस विकास गाथा के लिए महत्वपूर्ण है। सक्सेना ने कहा, माननीय पीएम की स्वदेशी और विशेष रूप से खादी को बढ़ावा देकर आत्मनिर्भरता हासिल करने की बार-बार अपील ने चमत्कार किया है। उन्होंने कहा, आज खादी देश की सभी एफएमसीजी कंपनियों से काफी आगे है। नए वैज्ञानिक तरीकों को अपनाकर और खादी की उत्पाद श्रृंखला में विविधता लाकर, केवीआईसी इतनी बड़ी वृद्धि हासिल करने में सफल रहा है, जिसकी बराबरी कोई अन्य एफएमसीजी कंपनी नहीं कर सकती।

अब जन्म, मृत्यु या विवाह के रजिस्ट्रेशन के लिए जनआधार नंबर जरूरी

जयपुर (हमारा वतन)। राजस्थान के किसी भी नगरीय निकायों में अब जन्म, मृत्यु या विवाह के रजिस्ट्रेशन के लिए जनआधार नंबर जरूरी होगा। आर्थिक एवं सांख्यिकी निदेशालय ने एक आदेश जारी करते हुए यह राजस्थान के मूल निवासियों के लिए लागू किया है। हालांकि दूसरे राज्य से आने वाले व्यक्तियों के लिए इसकी अनिवार्यता नहीं होगी। मुख्य रजिस्ट्रार (जन्म एवं मृत्यु) की ओर से जारी आदेशों के मुताबिक अब प्रदेश की किसी भी नगरीय निकाय या पंचायत या अन्य सक्षम स्तर पर जन्म, मृत्यु या विवाह का रजिस्ट्रेशन किया जाता है। उसके लिए आवेदक को अपना जन आधार नंबर देना अनिवार्य होगा। जन आधार नंबर नहीं होने की स्थिति में आवेदक को उसके रजिस्ट्रेशन की स्लीप और उसका नंबर देना अनिवार्य होगा। यह केवल राज्य के रहने वाले मूल नागरिक के लिए जरूरी है। दूसरे राज्य से आने वाले व्यक्ति के लिए यह अनिवार्य नहीं है। जयपुर

जन-आधार

नगर निगम ग्रेटर के रजिस्ट्रार प्रदीप पारीक ने बताया कि आदेशों को आज से लागू कर दिया है और यहां आने वाले सभी आवेदक जो मूल रूप से राजस्थान के है उनके जन आधार नंबर लिया जा रहा है।एनएफएस के तहत राशन के गेंहू के वितरण में भी सरकार ने जन आधार अनिवार्य कर दिया है। इसी तरह सरकारी हॉस्पिटल में मुफ्त इलाज और जांचों के लिए भी जन आधार जरूरी कर दिया है।

जॉब्स

1. राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी), पद व्याख्याता, पद संख्या 6000, अंतिम तिथि 6 जून 2022
2. आईजीआई एविएशन सर्विस प्राइवेट लिमिटेड, पद कस्टमर सर्विस एजेंट, पद संख्या 1095, अंतिम तिथि 22 मई 2022
3. राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी), पद सेकंड ग्रेड टीचर, पद संख्या 9760, अंतिम तिथि 10 मई 2022
4. इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी), पद एसीआईओ ग्रेड सेकंड, पद संख्या 150, अंतिम तिथि 7 मई 2022
5. पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी), पद स्पेशलिस्ट ऑफिसर, पद संख्या 145 , अंतिम तिथि 7 मई 2022
6. संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी), पद सीपीएफ, पद संख्या 253, अंतिम तिथि 10 मई 2022
7. दिल्ली ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन (डीटीसी) पद डीटीसी असिस्टेंट, पद संख्या 357, अंतिम तिथि 4 मई 2022
8. ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (बीआईएस) पद ग्रुप ए बी सी, पोस्ट पद संख्या 276, अंतिम तिथि 9 मई 2022

चौमूं का इतिहास

पाठको आज से हम चौमूं का इतिहास आपको बताने जा रहे हैं। चौमूं शहर राजस्थान राज्य की राजधानी जयपुर से 33 किलोमीटर दूर स्थित है। इसकी स्थापना अक्षय तृतीया के दिन की गई थी। जयपुर से भी पहले चौमूं को बसाया था। राजस्थान किलों का घर है। यहां प्रत्येक 16 किमी. की दूरी पर एक किले के दर्शन हो जाते हैं। मेवाड़ में ही 48 किले हैं , जिनमें से 32 किलों का निर्माण अकेले महाराणा कुम्भा द्वारा करवाया था। स्पष्ट है कि किलों की स्थापत्य कला राजस्थान में बहुत अधिक विकसित हुई। इसके निम्न कारण प्रमुख थे:-राजस्थान में सामन्त शाही प्रथा होने के कारण अपने निवास तथा रियासत की रक्षा के लिए आक्रमण के समय अपनी प्रजा की सुरक्षा हेतु आवश्यक सामग्री के संचय हेतु सेना, पशु तथा सम्पत्ति की रक्षा के लिए और पशुधन को बाढ़ व प्राकृतिक प्रकोपों के दुष्परिणामों से बचाने हेतु किलों का निर्माण किया जाता था। राजस्थान में दुर्ग निर्माण की परंपरा काफी प्राचीन है जिसका प्रमाण हमारे धर्म एवं नीतिशास्त्र के ग्रंथ है जिनमें वास्तुकला के अंतर्गत दुर्ग के रचना शिल्पशास्त्र तथा उनके विविध भेदों का विस्तृत विवेचन है। कौटिल्य के मतानुसार राजा को सुरक्षा की दृष्टि से राज्य की सीमाओं पर दुर्गों का निर्माण करवाना चाहिए। उन्होंने दुर्गों को चार कोटियों का बताया है यथा 1. औदेक दुर्ग (जल दुर्ग), 2. पार्वत दुर्ग (पर्वत दुर्ग) 3. धान्वन दुर्ग (मरुस्थल दुर्ग), 4. वन दुर्ग।

प्रिंस कुमार उप्पल
(मुद्राशास्त्री)
निदेशालय, जयपुर

कटरीना कैफ

ब्लू रफ़ल स्लीव्स ब्रालेट और फ्लोरल प्रिंटेड बिकिनी बॉटम में ढाया कहर

कटरीना कैफ सोशल मीडिया पर कम ही एक्टिव रहती हैं, लेकिन जब भी वो अपनी फोटोज़ शेयर करती हैं, तो वो वायरल हो जाती हैं। अपनी हालिया तस्वीरों में, कटरीना को टोंड फिगर फ्लॉन्ट करते हुए देखा जा सकता है, क्योंकि इनमें वो ब्लू फ्लोरल प्रिंटेड बिकिनी में नजर आ रहीं हैं। कटरीना कैफ ने रफ़ल स्लीव्स के साथ ब्लू ब्रालेट पहनी थी, जिसके साथ उन्होंने हाई-राइज़ फ्लोरल बिकिनी बॉटम पहना था। कटरीना की इन तस्वीरों पर प्रियंका चोपड़ा ने कमेंट सेक्शन में एक फायर इमोजी भी शेयर किया। सिंपल ब्यूटी कटरीना कैफ ने इससे पहले ये तस्वीर शेयर की थी, जिसमें उनका मासूम चेहरा फैन्स के दिलों को घायल करता नजर आया था। इस तस्वीर में कटरीना कैफ ब्लैक मोनोकिनी और हैट में एक बीच पर फोटोशूट करवाती नजर आ रही हैं। ग्रीन प्रिंटेड आउटफिट में समंदर किनारे कटरीना कैफ की ये तस्वीर काफी वायरल हुई थी। आपको बता दें कि कटरीना को समंदर किनारे मस्ती करना काफी पसंद है, इसीलिए वो अक्सर बीच पर फोटोशूट करवाती नजर आती हैं। सोशल मीडिया पर कटरीना कैफ के लाखों फैन्स हैं, जो उनकी तस्वीरों पर दिल खोलकर लाइक और कमेंट्स करते नजर आते हैं।

Karisma Kapoor on Second Marriage:

तलाक के 8 साल बाद क्या दूसरी शादी करेंगी करिश्मा कपूर?

एक फैन ने करिश्मा कपूर से पूछा क्या आप दोबारा शादी करना चाहती हैं? इस सवाल को इग्नोर करने के बजाय करिश्मा ने बढ़िया जवाब दिया। बता दें करिश्मा कपूर के दो बच्चे हैं। करिश्मा कपूर ने दोबारा शादी करने पर जवाब दिया है। ऐक्ट्रेस करिश्मा कपूर ने हाल में ही फैंस के साथ सोशल मीडिया पर आस्क मी एनीथिंग सेशन किया। जहां उन्होंने अपने पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़े तमाम सवालों के जवाब दिए। इस सवाल जवाब के बीच करिश्मा कपूर ने सबसे इंट्रस्टिंग जवाब अपनी शादी को लेकर दिया। एक फैन पूछा ने क्या आप दोबारा शादी करना चाहती हैं? इस सवाल को इग्नोर करने के बजाय करिश्मा ने जवाब देना सही समझा। करिश्मा ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर इस जवाब को शेयर भी किया है। शादी के सवाल के जवाब को देने के लिए करिश्मा कपूर ने एक कंफ्यूज लड़की का चेहरा शेयर किया। तीन तस्वीर को शेयर करते हुए आखिरकार करिश्मा कपूर ने माना कि ये डिपेंट करता है। मतलब कि दूसरी शादी करना समय और स्थिति पर डिपेंट करता है। करिश्मा कपूर इन दिनों अपनी आने वाली क्राइम ड्रामा ब्राउन को लेकर बिजी चल रही हैं।

आलिया भट्ट की शादी में ये रस्म-रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की शादी में कलीरे गिरने वाली रस्म में करिश्मा कपूर पर ही ननद के कलीरे गिरे थे। पंजाबी रीति रिवाज में ऐसा माना जाता है कि जिसपर नई नवेली दुल्हन के कलीरे गिरते हैं उसकी शादी जल्दी होने की संभावना होती है। इस रस्म की तस्वीर खुद करिश्मा कपूर ने ही शेयर की थी।

करिश्मा कपूर के पूर्व पति और शादी-साल 2003 में करिश्मा कपूर की पहली शादी संजय कपूर के साथ हुई थी। दोनों के दो बच्चे हैं समायरा और कियान। लेकिन साल 2014 में संजय कपूर और करिश्मा कपूर ने तलाक का फैसला लिया।

संग्राम सिंह बोले, क्या हुआ जो पायल मां नहीं बन सकती, अगर कल को मैं बच्चा पैदा न कर पाऊं तो?

पायल रोहतगी लॉकअप की दमदार कंटेस्टेंट्स हैं। उन्हें विनर ट्रोफी का दावेदार माना जा रहा है। संग्राम सिंह के साथ उनके रिलेशनशिप के बारे में हर कोई जानता है। वे साथ रहते हैं पर शादी नहीं की। पायल ने लॉकअप में खुलासा किया था कि वह कभी मां नहीं बन सकतीं। यही वजह है कि संग्राम से शादी नहीं कर रहीं। पायल ने बताया था कि वह आईवीएफ ट्राई कर चुकी हैं लेकिन यह सक्सेसफुल नहीं रहा। उन्होंने यह भी कहा था कि संग्राम से कहती हैं कि किसी और से शादी कर लें। पायल का ये खुलासा चर्चा में है। अब एक इंटरव्यू के दौरान संग्राम ने इस पर रिऐक्ट किया है। पायल रोहतगी लॉकअप में लोगों को एंटरटेन कर रही हैं। इस बीच बाकी कंटेस्टेंट्स की तरह उन्होंने भी कई खुलासे किए। पायल ने बताया था, मेरे बच्चे नहीं हो सकते। मैंने सोचा हम शादी तब करेंगे जब मैं प्रेग्नेंट हो सकूं। हम 4-5 साल से ट्राई कर रहे हैं, नहीं हो रहा।

डायबिटीज के बावजूद एक्सपर्ट के सुझाए इन तरीकों से आप भी खा सकती हैं अपनी मन पसंद मिठाइयां

क्या आपको डायबिटीज है? और क्या आप मिठाइयां खा सकती हैं? तो जवाब है हां! विशेषज्ञ से जानिए क्या है इसका तरीका।डायबिटीज एक लाइफस्टाइल डीजीज है। सरल भाषा में कहें, तो यह एक ऐसी बीमारी है, जो एक बार लग जाए तो उम्र भर आपका साथ नहीं छोड़ती है और जोंक की तरह चिपकी रहती है। शरीर में इंसुलिन की कमी के कारण ब्लड शुगर लेवल में उतार चढ़ाव होता रहता है और रोगी को अपने शुगर इंटेक को कम करना होता है। तो यदि आपको डायबिटीज है, तो क्या आप अब जीवन में चीनी का सेवन कभी नहीं कर पाएंगी? सुनने में तो ऐसा ही लगता है, क्योंकि हर किसी का कहना है कि डायबिटीज़ के मरीज चीनी नहीं खानी चाहिए। तो क्या इसका मतलब है कि अब आपको हर तरह से चीनी छोड़नी होगी? जी नहीं डायबीटीज के मरीज को चीनी कम खानी चाहिए, लेकिन इसे बिल्कुल छोड़ देना गलत है।इस बारे में अधिक जानकारी देने के लिए सेलिब्रिटी न्यूट्रिशनिस्ट और फूड दर्जी के सह-संस्थापक, डॉ. सिद्धांत नें अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट साझा की। वे आलिया भट्ट और सारा अली खान जैसी एक्ट्रेस को खानपान के तरीकों में गाइड करते हैं।

तो क्या डायबिटीज के मरीज भी चीनी या अन्य मिठाइयों का सेवन कर सकते हैं? चलिये पता करते हैं

यदि किसी को डायबिटीज है, तो उसे अपने कार्ब्स ओर चीनी के सेवन को नियंत्रित करना चाहिए। मगर फिर भी कई लोग मीठा खाते हैं, लेकिन कैसे?

वे मीठा तब तक खा सकते हैं, जब तक कि यह मॉडरेशन में है या एक स्वस्थ आहार का हिस्सा है। मधुमेह से पीड़ित व्यक्ति कितनी मात्रा में कार्बोहाइड्रेट और शर्करा खा सकता है, यह कुछ कारकों पर निर्भर करता है, जिनमें शामिल हैं

उनकी गतिविधि का स्तर

उनका वज़न

अमेरिकन डायबिटीज एसोसिएशन के अनुसार डायबिटीज के मरीज एक दिन में सिर्फ 25 ग्राम चीनी खा सकते हैं।

डायबिटीज के मरीज कैसे कर सकते हैं आप हेल्दी तरह के मिठाइयों का सेवन

शुगर फ्री मिठाइयां खा कर-डॉ. सिद्धांत के अनुसार आप किसी भी प्रकार के शुगर फ्री डिसर्ट को अपनी डाइट में शामिल कर सकती हैं। इसकी वजह से आपको अपनी शुगर क्रेविंग्स को कंट्रोल भी नहीं करना पड़ेगा और आप मिठाइयों का आनंद भी ले पाएंगी।

कीटो डिसर्ट खाएं-कीटो डिसर्ट डायबिटीज के मरीजों की समस्याओं का हल कर सकते हैं।

डॉ. सिद्धांत बताते हैं कि कीटो डिसर्ट खाने में मीठे होते हैं और इनका गुड फैट कंटेंट बहुत अच्छा होता है। जिसकी वजह से चीनी धीरे धीरे शरीर में घुलती है, जो मधुमेह के मरीजों के लिए अच्छा है। **मॉडरेशन में खाएं और एक्सरसाइज करें**-यदि त्योहार पर आप वाकई में मीठा खाना चाहते हैं, तो डॉ. सिद्धांत की सलाह है कि मिठाइयां बहुत ही कम मात्रा में खाएं। कुछ भी मीठा खाने के बाद एक्सरसाइज करें और मीठा खाने से पहले यह सुनिश्चित करें कि क्या आप अपनी दवाइयां सही तरह से ले रहे हैं।

कोच रोबिन सिंह को है उम्मीद-बचे हुए मैचों में ईशान किशन और रोहित अच्छा करेंगे

नई दिल्ली। मुंबई इंडियंस के बल्लेबाजी कोच रोबिन सिंह ने खराब फॉर्म में चल रहे कप्तान रोहित शर्मा और इशान किशन का समर्थन करते हुए कहा कि वे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 15वें चरण के बचे हुए मैचों में लय हासिल कर लेंगे।पांच बार की चैम्पियन मुंबई इंडियंस ने किशन को 15.25 करोड़ रूपये में खरीदा था, उन्होंने अच्छी शुरुआत की थी लेकिन अब खराब फॉर्म में चल रहे हैं और अभी तक अपनी कीमत के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं।झारखंड के इस खिलाड़ी ने अभी तक आठ मैचों में 28.43 के औसत से महज 199 रन बनाये हैं। रोबिन ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच से पहले वर्चुअल प्रेस कांफ्रेंस में कहा, हमने कुछ चीजों पर काम किया है जिसमें हमें लगता था कि वह (किशन) सुधार कर सकता है। निश्चित रूप से यह मैचों के साथ ही बेहतर होते रहने की बात है।उन्होंने कहा, जैसा कि आप जानते हो, उसने (किशन) बहुत अच्छी तरह शुरुआत की। लेकिन फिर वह थोड़ा धीमा हो गया। हमने कुछ चीजों पर काम किया है और हम उम्मीद करते हैं कि वह उसी फॉर्म में वापसी करेगा जिसमें उसने शुरुआत की थी। रोहित भी खराब लय से जूझ रहे हैं और आठ मैचों में 19.13 के औसत से केवल 153 रन ही बना सके हैं। लेकिन रोबिन को भरोसा है कि यह स्टार सलामी बल्लेबाज मजबूत वापसी करेगा।

कोहली ने कुछ इस अंदाज में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को किया बर्थडे विश

नई दिल्ली। टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा 35 साल के हो गए। जन्मदिन के अवसर पर उन्हें क्रिकेट जगत और उनके प्रशंसकों की ओर से ढेर सारी शुभकामनाएं मिल रही हैं। पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली ने भी मौजूदा राष्ट्रीय कप्तान रोहित शर्मा को जन्मदिन की बधाई दी। विराट कोहली 2014 से 2022 तक भारत के पूर्णकालिक कप्तान थे। विराट कोहली ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी टीम के साथी को उनके जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। 33 वर्षीय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी पोस्ट की, जिसमें उन्हें रोहित को गले लगाते हुए देखा जा सकता है। कोहली ने फोटो को कैप्शन दिया और लिखा, हैप्पी बर्थडे रोहित शर्मा, गॉड ब्लेस। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा की पत्नी रितिका सजदेह ने क्रिकेटर के जन्मदिन पर अपने पति के लिए एक प्यारा मैसेज पोस्ट किया। उन्होंने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट की, जिसमें रोहित को उनकी बेटी समायरा के साथ देखा जा सकता है। रितिका ने अपनी पोस्ट में लिखा कि वह और उनकी बेटी उनसे कितना प्यार करते हैं और उनकी देखभाल करते हैं।

युवराज सिंह का खुलासा-सौरव गांगुली के कारण डेब्यू मैच से पहले सो नहीं पाया था

नई दिल्ली। सिक्सर किंग के नाम से मशहूर युवराज सिंह अपनी डेब्यू पारी से पहले रात भर सो नहीं पाए थे। उन्होंने बताया कि कैसे मैच से एक रात पहले कप्तान सौरभ गांगुली ने उनके साथ एक मजाक किया था। अपनी पहली अंतरराष्ट्रीय पारी में युवराज सिंह ने 84 रन बनाए थे। भारत के पूर्व टेस्ट क्रिकेटर युवराज सिंह ने बताया कि 2000 आईसीसी नॉकआउट टूर्नामेंट में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी ऐतिहासिक पहली पारी से पहले कप्तान सौरभ गांगुली के रचाए गए एक मजाक के चलते उन्हें पूरी रात नींद नहीं आई थी। होम ऑफ हीरोज कार्यक्रम में युवराज ने संजय मांजरेकर को बताया कि मैच से पहले शाम को गांगुली ने 18-वर्षीय युवराज से पूछा कि क्या वह सलामी बल्लेबाज के तौर पर खेलने के लिए तैयार हैं। युवराज ने कहा, मैंने उनसे कहा कि अगर वह ऐसा चाहते हैं तो मैं जरूर ओपन करूंगा। इसके बाद मुझे सारी रात नींद नहीं आई। युवराज ने अपना डेब्यू टूर्नामेंट के मेजबान केन्या के खिलाफ कर लिया था, लेकिन उस मैच में उनकी बल्लेबाजी नहीं आई थी। अगली सुबह गांगुली ने उन्हें बताया कि वह मजाक कर रहे थे और सचिन तेंदुलकर के साथ पारी का आगाज उन्होंने खुद किया। भारत ने विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध 265 बनाए, जिसमें युवराज ने 84 रन की शानदार पारी खेली।युवराज ने इस मैच को याद करते हुए कहा, मैं नंबर पांच पर बल्लेबाज़ी कर रहा था और बहुत तनाव में था। हालांकि जब तक मैं बल्लेबाजी करने उतरा तब तक मेरा ध्यान सिर्फ गेंद पर ही केंद्रित हो चुका था।

टिकिट

हमारा वतन साप्ताहिक
HamaraWATANWeekly संस्थापित 1965 ہمارا وطن ہفت روزہ
राष्ट्रीय विचारधारा की सर्वोत्तम अभिव्यक्ति का प्रतीक

क्या खाक़ लिखे कोई, बरगश्ता ज़माना है,
कांटों पै भी चलना है, दामन भी बचाना है।

अति आवश्यक सूचना

पाठकों व विज्ञापनदाताओं से निवेदन है कि जिनका सालाना सदस्यता शुल्क व विज्ञापनों का भुगतान नहीं हो पाया है वे अपना शुल्क 'हमारा वतन वीकली के नाम से खाता संख्या 61079058819' एसबीआई (IFSC Code- SBIN0004227) में या 9214996258 पर फोन-पे, पेटीएम, गुगल-पे पर जमा कराकर सूचित करें।

- सम्पादक

पुनीत प्रतिष्ठा में :-

बिजली कटौती की आहट

देश में जहां तापमान बढ़ने से चिंता बढ़ी है, वहीं बिजली की खपत भी रिकॉर्ड स्तर पर है। अभी तक जो स्थिति है, उसे बहुत चिंताजनक तो नहीं कहा जा सकता, लेकिन सावधान रहने की जरूरत है। राज्य सरकारों को संयम रखना चाहिए, लेकिन

राम गोपाल सैनी

संकट की आशंका से कुछ राज्य सरकारें ज्यादा चिंतित हैं। एक सवाल यह पैदा हो गया है कि क्या देश में कोयले का अभाव होने लगा है? सेंट्रल इलेक्ट्रिसिटी अथॉरिटी (सीईए) की डेली कोल स्टॉक रिपोर्ट के मुताबिक, 165 ताप विद्युत घरों में से 56 में 10 प्रतिशत या उससे कम कोयला बचा है। कम से कम 26 के पास पांच फीसदी से कम कोयला भंडार बचा है। दिल्ली के मुख्यमंत्री के अलावा राजस्थान के मुख्यमंत्री ने भी ऊर्जा संकट और कोयले के अभाव के लिए केंद्र सरकार पर दबाव बनाया है। पर इसके जवाब में नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन (एनटीपीसी) का बयान खास मायने रखता है। एनटीपीसी ने कहा है कि उसके पास कोयले की कमी नहीं है। दरअसल, भीषण गरमी की वजह से राजधानी दिल्ली में बिजली की मांग अप्रैल महीने में पहली बार 6,000 मेगावाट प्रतिदिन के स्तर को पार कर गई है। पूरे देश में बिजली की बढ़ी हुई मांग को समझने के लिए यह एक मिसाल ही काफी है। भारत में भीषण गरमी के चलते छह साल से अधिक समय में सबसे विकट बिजली की कमी देखी जा रही है। चूंकि भारत में विद्युत उत्पादन ज्यादातर कोयला आधारित ऊर्जा संयंत्रों में होता है, इसलिए कोयले की मांग बहुत बढ़ गई है। कोयले का भंडार कम से कम नौ वर्षों में सबसे कम पूर्व-ग्रीष्मकालीन स्तर पर है। ऊर्जा मंत्रालय के अनुसार, भारत में ऊर्जा की मांग रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई है। आपूर्ति में कमी नहीं आई है, लेकिन मांग बढ़ गई है। कमी दो प्रतिशत भी नहीं है, लेकिन असर कुछ राज्यों में दिखने लगा है। जम्मू-कश्मीर से आंध्र प्रदेश तक दो घंटे से लेकर आठ घंटे तक की बिजली कटौती का सामना करना पड़ रहा है। दिल्ली में अभी विशेष कटौती नहीं हो रही है और न उत्तर प्रदेश में कोई बड़ी परेशानी सामने आई है।

भूसी चावल की प्रेम कहानी मेड फ़ॉर ईच अदर !

हाँ मैं धान ही हूं ,सही पहचाना आप की ख़ातिर हाज़िर हूं। मैं आप की नकल करता हूँ या आप मेरी मुझे पता नहीं। मैं भी प्रवासी हूं आप सब की ही तरह। पैदा कहीं होता हूं, पलता पूसता कहीं और हूँ । मेरे कई भाई जहाँ पैदा होते हैं। वही फलने फुलने की कोशिश करते हैं ।

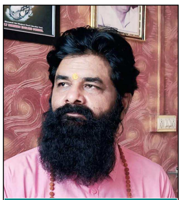

डॉ रमाकांत क्षितिज
संकलन-विनोद कुमार दुबे

पर अकसर उनका सम्पूर्ण विकास नहीं होता बिल्कुल आप की ही तरह। स्थान परिवर्तन के साथ हमारा भाग्य बदल जाता है। हम आप के लिए भोजन ही नहीं पूजा आदि की प्रमुख सामाग्री हैं। हमारे बिना कोई भी धार्मिक अथवा सांस्कृतिक कार्यक्रम हो ही नहीं सकता। हम इसी उपयोगिता के कारण हम विशेष हैं। विवाह में हमें लावा बनाकर परखा जाता है। चूंकि हमारी ही तरह कन्या भी तो पैदा कहीं होती है और पूरा जीवन कहीं और जीती है। जब तक हम धान होते है तब तक हमारे भीतर का चावल बहुत सुरक्षित होता है। हमारे भूसी को आप महत्व कम देते है। मेरा अस्तित्व ही भूसी के कारण है। बिना भूसी मैं हो ही नहीं सकता। यद्यपि की भूसी से अलग होते ही हमारा नाम बदल जाता है।

विवाह में भूसी युक्त लावा का प्रयोग शायद इसीलिए होता है। चावल का आवरण बनकर मैं उसके साथ रहती हूं। एक नहीं दो मिलकर साथ रहते हैं । मुझसे अलग रहते ही अर्थात धान से मैं भूसी और चावल दो रूप में हो जाता हूँ।

एक मां की तरह बच्चे के बड़े होने पर उसे आत्मनिर्भर होने के लिए भूसी चावल को छोड़ देती है। पर एक बात याद रखना भूसी बिना चावल फिर जन्म नहीं ले सकता। उसे यदि फिर जन्म लेना है,तो भूसी का साथ लेना ही होगा। धान के रुप मैं पूर्ण हूं। चावल के रुप में अकेला। इसीलिए कहते हैं,एक से भले दो।

जो महत्व स्त्री के लिए पुरुष का है,पुरुष के लिए स्त्री का,ठीक उसी प्रकार चावल के लिए भूसी का,भूसी के लिए चावल का। दोनों एक दूसरे के पूरक हैं। कम्पटीटर नहीं जैसे स्त्री पुरुष एक दूसरे के पूरक हैं। कम्पटीटर नही। खैर बहुत बात हुई....अभी किसान के घर जाना है,फिर मिलूंगा फिर बातें होगी...तब तक के लिए आप सब धन धान्य से भरे रहें।

चिंतन शिविर के बाद वन मैन वन पोस्ट लागू करेगी कांग्रेस

नई दिल्ली(एजेंसी)। चिंतन शिविर के बाद कांग्रेस पार्टी में वन मैन वन पोस्ट लागू करेगी। मध्य प्रदेश विधानसभा में विपक्ष के नेता के पद से कमलनाथ के इस्तीफे के बाद कांग्रेस एआईसीसी और राज्य स्तर पर वन मैन वन पोस्ट नियम लागू करने की तैयारी कर रही है। सूत्रों ने कहा कि दो पद रखने वाले कई कांग्रेस नेताओं को आने वाले समय में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि पार्टी चाहती है कि राज्य इकाई अपने प्रदर्शन में और अधिक सक्रिय हो और राजनीतिक गतिविधियों में शामिल हो। दो पद वाले व्यक्ति को अब एक ही असाइनमेंट दिया जाएगा।

पक्षियों के लिए अच्छाई संस्था ने लगाए परिंडे

जयपुर (हमारा वतन)। तेज गर्मियों में पक्षियों के पानी के लिए अच्छाई संस्था द्वारा अक्षरधाम चौक, चित्रकूट में पेड़ो पर परिंडे लगाए गए । संस्था अध्यक्ष विनीत शर्मा ने बताया कि परिंडे लगाने के दौरान आसपास के दुकानदारो-निवासियों से सुनिश्चित किया गया कि वे रोज परिंडो में पानी डाले । इस कार्य मे संस्था अध्यक्ष विनीत शर्मा, सचिव अंकुश गुप्ता, किरण बाथला, कौशल्या देवी, प्रेम साहनी, उषा शर्मा, अंजली अग्रवाल, अनु शर्मा, राजू धानका आदि ने सहयोग दिया ।

शिव ने बचाई शिवम की जान

जयपुर (हमारा वतन)। रक्तदान जीवनदान फॉउंडेशन के सह संचालक शिवसिंह घूमना ने महात्मा गांधी हॉस्पिटल में एडमिट कंसर पीड़ित मासूम बच्चे शिवम को प्लेटलेट्स डोनेट करके जान बचाई। रक्तदान जीवनदान फाउंडेशन के सभी सदस्यों के द्वारा राजस्थान व राजस्थान से बाहर भी रक्त,प्लाज्मा, प्लेटलेट्स, डोनेट कर निःस्वार्थ भाव से असहाय व गरीब मरीजों की दिन रात मदद की जा रही है । गौरतलब है कि शिवसिंह घूमना ने 14 वीं बार प्लेटलेट्स के रूप में रक्तदान कर मानवता का फर्ज निभाया है । फाउंडेशन की और से मोहनलाल,राजेन्द्र चौधरी, भीमसिंह, मनीष, अजय,किरण,लोकेश ने रक्तवीर का आभार जताया है।

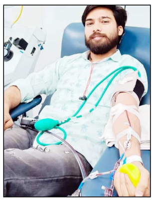

हमारा वतन
खबरों, विज्ञापन एवं सदस्यता के लिए सम्पर्क करें ।
Email-
hamarawatan65@gmail.com
9214996258, 7014468512

बच्चे का स्कूल में प्रवेश कराना हर अभिभावक की जिम्मेदारी : वृक्षमित्र डॉ त्रिलोक सोनी

उत्तराखंड (हमारा वतन)। स्कूलो में अधिक से अधिक छात्र संख्या को बढाने के लिए ग्राम पंचायत मरोडा में पर्यावरणविद् वृक्षमित्र डॉ त्रिलोक चंद्र सोनी के नेतृत्व में तथा ग्राम प्रधान नीलम देवी की अध्यक्षता में सरकारी स्कूलों में गांव के बच्चों के प्रवेश के लिए गोष्ठी की गई जिसमें गांव के हर बच्चे का स्कूल में प्रवेश कराने का संकल्प लिया गया।

गांव के लोगो को प्रेरित करते हुए पर्यावरणविद् वृक्षमित्र डॉ त्रिलोक चंद्र सोनी ने कहा अक्षर ज्ञान ही एक ऐसा माध्यम हैं जो जीवन को सफल बनाती हैं हमारा जीवम सफल तभी को सकता हैं जब हम पढ़े लिखे होंगे इसके लिए हमें अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा के लिए उनका स्कूलो में प्रवेश करना होगा। सरकारी स्कूलों में सरकार द्वारा छात्रों के सुनहरे भविष्य बनाने के लिए कई योजनाएं चल रही हैं जिसमे मध्यान भोजन योजना, किताबें, ड्रेस जो निःशुल्क दिए जाते हैं इनका लाभ तभी मिल सकता हैं जब हम सरकारी स्कूलों में अपने बच्चे का प्रवेश कराएंगे। डॉ सोनी ने कहा अपने बच्चे को शिक्षा दिलवाना हर अभिभावक की जिम्मेदारी होनी चाहिए ताकि हर परिवार का बच्चा पढ़ा लिखा हो और शिक्षा लेने से कोई बच्चा वंचित ना रह सके। प्रधान नीलम देवी ने ग्रामीणों से कहा कि सरकार ने आंगनवाड़ी से जूनियर हाईस्कूल तक कई सुविधाएं दी हैं ,उनका लाभ तभी हमें मिलेगा जब हम अपने बच्चे का प्रवेश सरकारी स्कूल में करेंगे। आज हमारे गांव में वृक्षमित्र डॉ सोनी गुरु जी आये जिन्हों ने सरकारी स्कूलों में हर बच्चे के दाखिला के लिए मेरे गांव के लोगो को जागरूक व प्रेरित किया ताकि कोई बच्चा शिक्षा लेने से छुटेना। गोष्ठी में पुष्पा देवी, आरती देवी, शांति देवी, दर्शनी देवी, वरदेई, शीतल कोहली,स्वाति, सुमित, आयुष आदि मौजूद रहे।

RNI No. 10311/1965
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, सम्पादक राम गोपाल सैनी के लिए उदय प्रिन्टर्स 43 ए, माली कॉलोनी, चांदपोल बाहर, जयपुर से मुद्रित तथा वार्ड नं.1, सामोद रोड़ नीमड़ी, ग्राम-मोरीजा, तहसील-चौमूँ, जिला-जयपुर से प्रकाशित , मो. 9214996258, 7014468512
संरक्षक : बाबूलाल सैनी मो: 7296873757
सहायक सम्पादक: राकेश तिवाड़ी
प्रबंध सम्पादक : वली मोहम्मद कुरैशी, मो. 9929610759
सभी प्रकार के वाद-विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर शहर होगा